



# Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 16-2023] CHANDIGARH, TUESDAY, APRIL 18, 2023 (CHAITRA 28, 1945 SAKA)

## PART-I

### Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

कृषि तथा किसान कल्याण विभाग

अधिसूचना

दिनांक 10 अप्रैल, 2023

**क्रमांक 657-कृषि-II (1)-2023/2530 .-** इस विभाग के पत्र क्रमांक 1996- कृषि-II (1)-2008/18349, दिनांक 14.08.2008 द्वारा जारी अधिसूचना के अधिक्रमण में, हरियाणा के राज्यपाल, समिति पंजीकरण एवम् विनियम अधिनियम 2012 के अन्तर्गत एक स्वायत्त संस्था नामतः "हरियाणा कृषि विकास संस्था (हाडा)" का माननीय मुख्यमंत्री महोदय की अध्यक्षता में, कृषि एवम् किसान कल्याण मंत्री, ऊर्जा व सिंचाई मंत्री एवम् मुख्य सचिव सदस्यों के साथ गठित बोर्ड ऑफ पैटर्न के मार्गदर्शन व निगरानी में सहर्ष गठन करते हैं। इस संस्था के संचालन हेतु गवर्निंग बॉडी के निम्नलिखित सदस्य होंगे:-

क्र. सं.	नाम और पता	पद
1.	अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा	अध्यक्षा / अध्यक्ष
2.	प्रशासक, सूक्ष्म सिंचाई और कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण, हरियाणा	सदस्य
3.	महानिदेशक, पशुपालन एवं दुग्ध विकास विभाग, हरियाणा	सदस्य
4.	महानिदेशक, ग्रामीण विकास, हरियाणा	सदस्य
5.	प्रबंध निदेशक, हैफेड,	सदस्य
6.	मुख्य प्रशासक, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, पंचकूला	सदस्य
7.	प्रबंध निदेशक, हरियाणा बीज विकास निगम, हरियाणा।	सदस्य
8.	वित्त विभाग, हरियाणा का प्रतिनिधि।	सदस्य
9.	निदेशक विस्तार शिक्षा, चौ० चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार	सदस्य
10.	महानिदेशक, बागवानी विभाग, हरियाणा	सदस्य
11.	निदेशक, मत्स्य विभाग, हरियाणा	सदस्य
12.	निदेशक / महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण, हरियाणा	प्रबंध निदेशक-एवं-सदस्य-सचिव।

हरियाणा कृषि विकास संस्था के लक्ष्य और उद्देश्य इस प्रकार से होंगे:

1. प्राकृतिक खेती और अन्य केंद्रीय और राज्य प्रायोजित योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा देना।
2. प्रकृति के अनुरूप जलवायु अनुकूल खेती को बढ़ावा देना।
3. खेती की लागत में कमी और खेती को एक स्थायी आजीविका विकल्प बनाना।
4. मिट्टी की उर्वरता, सूक्ष्म वनस्पतियों और जीवों, जल धारण क्षमता, जल घुसपैठ और सरंभता में सुधार।
5. रसायन मुक्त कृषि को बढ़ावा देना।
6. मिट्टी, पर्यावरण और जलीय प्रदूषण में कमी।
7. प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए कृषक समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करना।
8. विस्तार नेटवर्क (एटीएम/बीटीएम/किसान) और मास मीडिय के माध्यम से प्राकृतिक खेती और अन्य प्रौद्योगिकियों और ऊर्जा बचत प्रथाओं की उन्नत कृषि पद्धतियों के बारे में किसानों को प्रदर्शित करना।
9. किसानों की आय और कल्याण के लिए फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देना।
10. फसलों की अच्छी पैदावार के लिए पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करना।
11. कृषि क्षेत्र में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, महिला किसानों/युवा किसानों और कृषि आधारित महिला उद्यमियों की सहायता करना।
12. कृषि प्रणाली आधारित कृषि विकास के लिए कृषक समुदाय की स्थान विशिष्ट आवश्यकताओं की पहचान करना।
13. कृषि प्रणाली दृष्टिकोण के साथ प्राकृतिक खेती और सतत् कृषि विकास के लिए प्राथमिकताएं तय करना।
14. किसानों व अंतिम उपयोगकर्ताओं द्वारा की जाने वाली उत्पादन आधारित प्रणाली गतिविधियों की योजना तैयार करना व प्रमाणन, ब्रांडिंग पैकेज को बढ़ावा देना।
15. सम्बंधित विभागों, प्रशिक्षण संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों, एफपीओ और संबद्ध संस्थानों के माध्यम से योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए प्राकृतिक कृषि पद्धतियों में प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देना।
16. जिले में अनुसंधान-विस्तार-किसान संबंधों को मजबूत करने और विभिन्न राज्य वित्त पोषित तकनीकी विभागों के बीच सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सम्बंधित विभागों, गैर सरकारी संगठनों किसान संगठनों और संबद्ध संस्थानों द्वारा किए जा रहे प्रयासों का समन्वय करना।
17. योजना, विपणन, प्रौद्योगिकी प्रसार और कृषि-प्रसंस्करण आदि में किसानों/उत्पादकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए संघों, सहकारिता आदि में संगठन के लिए सहायता के माध्यम से किसानों/उत्पादकों के सशक्तिकरण की सुविधा प्रदान करना।
18. कृषि उपज के मूल्यवर्धन और कटाई के बाद के प्रबंधन के लिए बाजार के हस्तक्षेप को सुविधाजनक बनाना।
19. स्थायी कृषि विकास को बढ़ावा देने से संबंधित किसी अन्य गतिविधि को बढ़ावा देना।

डॉ० सुमिता मिश्रा,  
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,  
कृषि तथा किसान कल्याण विभाग।

## HARYANA GOVERNMENT

### AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE DEPARTMENT

#### Notification

The 10th April, 2023

**No. 657-Agri. II(1)-2023/2530.**— In supersession of notification issued *vide* this department memo No.1996-Agri.II (1)-2008/18349, dated 14.08.2008, the Governor of Haryana is pleased to set up an autonomous agency titled “Haryana Agriculture Development Agency (HADA)” under Haryana Registration and Regulation of Societies Act, 2012 under the overall supervision and guidance of its Board of Patrons headed by the Hon’ble Chief Minister with the Minister of Agriculture and Farmers Welfare, Power & Irrigation and Chief Secretary to Govt. Haryana as the members. The Agency will have a Governing Body with the following composition:

S. No.	Name & Address	Designation
1.	Additional Chief Secretary, Agriculture and Farmers Welfare Department, Haryana	Chairperson/ Chairman

S. No.	Name & Address	Designation
2.	Administrator, MICADA, Haryana.	Member
3.	Director General, Animal Husbandry & Dairying Development Department, Haryana	Member
4.	Director General, Rural Development, Haryana.	Member
5.	Managing Director, HAFED	Member
6.	Chief Administrator, Haryana State Agriculture Marketing Board, Panchkula.	Member
7.	Managing Director, Haryana Seeds Development Corporation, Haryana.	Member
8.	Representative of Finance Department, Haryana.	Member
9.	Director Extension Education, CCS HAU, Hisar	Member
10.	Director General, Horticulture Department, Haryana	Member
11.	Director, Fisheries Department, Haryana	Member
12.	Director/ Director General, Agriculture & Farmers Welfare, Haryana	Managing Director-cum-Member-Secretary.

***The aims and objectives of HADA would be as under:***

1. To promote effective implementation of Natural Farming and other Central & State Sponsored Schemes.
2. Promotion of climate resilient farming in harmony with nature.
3. Reduction in cost of cultivation and to make farming a sustainable livelihood option.
4. Improvement in soil fertility, micro flora & fauna, water holding capacity, water infiltration and porosity.
5. Promotion of chemical free agriculture.
6. Reduction in soil, environmental and aquatic pollution.
7. Creating awareness amongst farming community to adopt Natural Farming.
8. To demonstrate to the farmers about the improved agronomic practices of Natural Farming and other technologies and energy saving practices by way of extension networks (ATM/BTM/Farmers) and use of mass media.
9. To promote diversification of crops in order to increase the income and well being of the farmers.
10. To improve the soil health in order to replenish the deficiency of nutrients to harvest good yield of crops.
11. To promote gender equality in agriculture sector and to assist Women Farmers/Young Farmers and agro based Women entrepreneurs.
12. To identify location specific needs of farming community for farming system based agriculture development.
13. To set-up priorities for Natural Farming & sustainable agriculture development with a Farming System Approach.
14. To promote the certification, branding packages draw plans for production based system activities to be undertaken by farmers/ultimate users.
15. To promote the use of natural resources in Natural Farming practices to execute plans through line departments, training institutions, NGOs, FPO's and allied institutions.
16. To coordinate efforts being made by various line departments, NGOs farmers organizations and allied institutions to strengthen research-extension-farmers linkages in the district and to promote collaboration and coordination between various state funded technical departments.
17. To facilitate the empowerment of farmers/producers through assistance for mobilization, organization into associations, cooperative etc., for their increased participation in planning, marketing, technology dissemination and agro-processing etc.
18. To facilitate market interventions for value addition of farm produce and post harvest management.
19. To promote any other activity related with the promotion of sustainable agriculture development.

DR. SUMITA MISRA,  
Additional Chief Secretary to Government Haryana,  
Agriculture and Farmers Welfare Department.